दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 70 मुरादाबाद, 29 June 2023 (Thursday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

छोटे उद्यमियों को बड़ा तोहफा: दुर्घटना में मौत या विकलांगता होने पर परिजनों को पांच लाख रुपये देगी योगी सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए छोटे उद्यमियों को मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना का तोहफा दिया है। बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।यूपी सरकार ने प्रदेश के छोटे उद्यमियों के लिए बड़ी घोषणा की है।

प्रदेश सरकार सूक्ष्म उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना लागू कर रही है। इसके तहत दुर्घटना में मृत्यु होने या स्थायी अपंगता होने पर उद्यमियों के परिजनों को पांच लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। वहीं, आंशिक स्थायी अपंगता होने पर विकलांगता के अनुपात में सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बैठक में उप्र टाउनशिप नीति, 2023 और उप्र नगर योजना और विकास अधिनियम, 1973 (संशोधन) अध्यादेश 2023 को भी मंजूरी दी गई। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, प्रयागराज का नाम परिवर्तित कर डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय करने पर सहमति दे दी गई है। बैठक में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों के जीर्णोद्धार, मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। जनपद आगरा एवं मथुरा में पर्यटन विकास के दृष्टिगत हेलीकॉप्टर सेवा संचालन के लिए हेलीपैड को पीपीपी मोड पर निजी निवेशकों के माध्यम से विकसित एवं संचालित कराए जाने की मंजूरी। एसटीएफ लखनऊ के लिए छह इलेक्ट्रिक कार वाहनों के क्रय के लिए 99 लाख रुपये आवंटित किए जाने का निर्णय लिया गया। कुशीनगर में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए अधिग्रहित भूमि को हस्तांतरित करने की मंजूरी। कौशांबी की तहसील सिराथू के ग्राम- कोखराज में इंडो-इजराइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार फूट की स्थापना के लिए कृषि विभाग की भूमि उद्यान विभाग को निशुल्क हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी गई।

भारत पहुंचे फिलीपींस के विदेश मंत्री मनालो, बोले- हम बहुत मजबूत रक्षा साझेदारी चाहते हैं

फिलीपींस के विदेश मंत्री एनरिक ए मनालो इन दिनों चार दिवसीय भारत की यात्रा पर हैं। उन्होंने बुधवार को कहा कि फिलीपींस भारत के साथ बहुत मजबूत रक्षा साझेदारी विकसित करना चाहता है और उससे सैन्य हार्डवेयर खरीदने की उम्मीद कर रहा है। फिलीपींस के विदेश मंत्री एनरिक ए मनालो इन दिनों चार दिवसीय भारत की यात्रा पर हैं। उन्होंने बुधवार को कहा कि फिलीपींस भारत के साथ बहुत मजबूत रक्षा साझेदारी विकसित करना चाहता है और उससे सैन्य हार्डवेयर खरीदने की उम्मीद कर रहा है। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत को लेकर फिलीपींस के विदेश मंत्री का भारत काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिलीपींस ने दक्षिण चीन सागर में चीनी उपस्थिति को बार-बार चुनौती दी है और ऐसा करना जारी रखेंगे। उन्होंने इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) में एक संबोधन में कहा कि हो सकता है कि अभी इसके प्रभाव देखने को नहीं मिल रहे हों लेकिन आगे जरूर देखेंगे। मनालो ने कहा कि फिलीपींस के ईईजेड में चीनी उपस्थिति चीन के साथ उनके देश के संबंधों में एक बड़ी चुनौती है। विदेश मंत्री एनरिक ए मनालो ने फिलीपींस को भारत का प्रमुख भागीदार बताया और कहा कि मनीला समुद्री सुरक्षा, साइबर-आतंकवाद, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और जलवायु प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करना चाहता है। भारत और फिलीपींस के बीच रक्षा और सुरक्षा संबंध बढ़ रहे हैं। पिछले साल जनवरी में फिलीपींस ने ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल की तीन बैटरियों की खरीद के लिए भारत के साथ 375 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सौदा किया था।मनालो गुरुवार को एस जयशंकर के साथ व्यापक वार्ता करेंगे,

जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलू पर चर्चा होगी। बैठक में दोनों पक्ष राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, नौवहन सहयोग, कारोबार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं पर्यटन सहित द्विपक्षीय संबंधों के सम्पूर्ण आयामों की समीक्षा करेंगे। एक बयान के अनुसार, दोनों पक्ष आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।फिलिपीन के विदेश मंत्री मनालो 42वें सपू हाउस व्याख्यान को संबोधित करेंगे। यह फिलिपींस के विदेश सेवा संस्थान और विश्व मामलों की भारतीय परिषद के बीच समझौता ज्ञापन के तहत संयुक्त परियोजना है।

भीम आर्मी प्रमुख पर जानलेवा हमला, कमर में लगी गोली; SSP घटनास्थल के लिए रवाना

उत्तर प्रदेश के देवबंद में भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर पर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी। उनकी कमर में गोली लगी है, घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार होने में कामयाब हो गए। उत्तर प्रदेश के देवबंद में भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर पर जानलेवा हमला हुआ है। उनकी कमर में गोली लगी है, घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार भीम आर्मी चीफ अपनी कार से किसी कार्यक्रम में जा रहे थे। इसी दौरान उन पर जानलेवा हमला किया गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल की। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद देवबंद की गांधी कॉलोनी में किसी के पास मिलने गए थे। वहां से निकलते समय दो युवकों ने उन पर फायरिंग की, जिसमें छर्रे लगने से वह जख्मी हो गए। हमलावर एक कार में सवार होकर फरार हो गए। उपचार के लिए उन्हें देवबंद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस हमलावरों की तलाश में लगी है। एसपी देहात का कहना है कि अभी हमले का कारण और हमलावरों की जानकारी नहीं हुई है। एसएसपी विपिन ताड़ा का कहना है कि आजाद समाज पार्टी-कांशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र शेखर आजाद और भीम आर्मी नेता के काफिले पर हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया। फायरिंग के दौरान हमलावरों की गोली चंद्रशेखर को छूती हुई निकल गई। हालांकि चिकित्सकों के अनुसार वह खतरे से बाहर है। हमलावरों की तलाश में पुलिस जुट गई है। यह भी जानकारी मिल रही है कि हमलावर हरियाणा नंबर की कार से आए थे। उधर भीम आर्मी चीफ पर जानलेवा हमले की खबर सुनते ही उनके समर्थकों में खलबली मच गई। एक दूसरे से चंद्रशेखर के हाल जानने के लिए समर्थक फोन मिलाते रहे। चंद्रशेखर भाई पर हुआ हमला एक बड़ी साजिश है, इस तरह की घटना उत्तर प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। जल्द हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग करते हैं । हमारे नेता के साथ पूरे देश की जनता खड़ी है हमें कमजोर समझने की गलती ना करें। -पवन गुर्जर, जिला अध्यक्ष आजाद समाज पार्टी मेरठ- अभी तक की जानकारी के अनुसार हमलावरों की कार हरियाणा नंबर की थी और उसमें चार हमलावर सवार थे। हमलें में जहां चंद्रशेखर घायल हुए हैं वहीं उनकी कार में भी गोली लगी हैं। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी जुटाई जा रही है। कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है। वहीं चंद्रशेखर पर हमले की खबर सुनते ही उनके परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजन घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। हालांकि चंद्रशेखर की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला

गुजरात के पूर्व सीएम शंकर सिंह वाघेला ने बुधवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात की। सपा के ट्विटर अकाउंट से मुलाकात की एक तस्वीर पोस्ट की गई है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला ने बुधवार को लखनऊ में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। हालांकि, लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर देश में बन रहे माहौल को भी इससे जोड़ा जा रहा है। सपा के ट्विटर अकाउंट से मुलाकात की एक तस्वीर पोस्ट की गई है।

कयास लगाए जा रहे हैं कि विपक्षी एकता की बैठक में पटना में शामिल रहे अखिलेश यादव 2024 में कांग्रेस से हाथ मिला सकते हैं। हालांकि, अखिलेश पहले कह चुके हैं कि जिन राज्यों में जो भी पार्टी ज्यादा प्रभावी है कांग्रेस उसका समर्थन करे। शंकर सिंह वाघेला लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते रहे हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी के बारे में दिए गए उनके कई बयान चर्चा में रहे हैं।

संपादकीय Editorial

Return of extremism!

An all-party meeting was also held on the northeastern state of Manipur. Home Minister Amit Shah presided, as the Prime Minister was on foreign tour. The findings of the meeting were not made public. However, the Home Minister refused to remove the Chief Minister of the state, Biren Singh. The Chief Minister disclosed the situation in Manipur after meeting Home Minister Shah in Delhi. It is being claimed that there were no casualties after 13th June. This official statement may be correct on its own basis, but the reality is in front of the country. The return of the old era of militancy in Manipur is more dangerous than any casualty, lawlessness, arson, illegal arms and ammunition. The 12 militants who were freed from government custody by a mob of about 1,500 women, the so-called army, are not in a better situation. This trend is very frightening. The so-called militant mobs rule the streets of Manipur. The freed militants are members of banned outfit Kanglei Yavol Kanna Lup (KYKL). This organization is associated with the Meitei community.

There was also a killer militant among them, who is accused of killing 18 soldiers. There was no discussion on this situation in the all-party meeting, because the opposition was determined to make the chief minister a 'scapegoat'. A large quantity of arms and ammunition were also recovered from the 12 rescued militants. The army contingent must have brought him with them. Manipur has had a long phase of militancy. It is a matter of pride that today the constitution, democracy and judiciary are fully implemented there, so the government and administration are also functioning. This situation may be reversed, as it was before the year 2000. If militancy returns to Manipur, it could once again be cut off from the rest of the country. Manipur is also an integral part of India, so Prime Minister Modi, Home Minister Shah and responsible officials at the government level should intervene with more concern and save a full-fledged state from being reduced to 'ashes'. Meitei and Kuki, Naga etc. communities have been residents of Manipur since its existence. Their contradictions are also 'Sanatan', but extremism is making a comeback through 'Mob Tantra'. In half a dozen districts of the state—Bishnupur, Imphal East, Imphal West, Ukhrul, Churachandpur, Kangpokpi—the mobocracy dominates the operations of the army, security forces, police. Although the security forces and the army have shown patience and restraint towards the people of Manipuri during their operations, but the 'mob system' has not spared even our soldiers. The mob has burnt down another godown of state minister Sushindro . On June 23 last, a godown of the minister was burnt. What would the Union Home Minister and the Chief Minister say to this situation? The BJP office has also been set on fire. Thousands of people have been displaced from Manipur. Of course the death toll is less by the government, but Manipur is in turmoil, burning continuously. Prime Minister Modi and the BJP have been flaunting a lot on the 'double engine government', but looking at the ground situation in Manipur, it can be said that the state government's Iqbal has come to an end. One engine has also failed. Extremists, rioters, extremists are active in the guise of 'mob system', who today have their own rule. The division of Meitei and other tribes is not an ethnic issue, it is a political issue. This is not even a social problem, so the central government will have to intervene and restore the 'Iqbal' of the state government and administration. The trust of the citizens has to be won in the state. The Manipuris sitting at Jantar Mantar in Delhi should not dare to say that the Chief Minister has alienated them, so they should be given their own government, their own administration.

Ground report from West Bengal:

Panchayat elections in West

Bengal in the circle of questions

West Bengal has a decades-old tradition of violence and deaths during panchayat elections. So far, 10 people have been murdered while completing the process of filing nominations. Let's take a look at the past figures. 70 people were murdered in 2003, 36 in 2008, 39 in 2013 and 40 in 2018. Panchayat elections in West Bengal are to be held on July 8. The date is fixed, but many questions are arising in the minds of the people. 10 people have died in the violence during the filing of nominations. Because of this people are panicking. It is obvious that in such a situation the first question is that how many more dead bodies will fall in this election. Due to the tussle between the Governor and the State Election Commissioner, the question is whether the Panchayat elections will be held on the scheduled date? This question has become all the more important as the case has been filed in the High Court. Let us start with the first question – West Bengal has a decades-old tradition of violence and deaths during panchayat elections. So far, 10 people have been murdered while completing the process of filing nominations. Let's take a look at the past figures. 70 people were murdered in 2003, 36 in 2008, 39 in 2013 and 40 in 2018. If you look at the statistics, in 2003 70 people were killed. The reason for this was that during that time the opposition was strong. This time also there is a tough fight between the opposition and the ruling party, so the figure of possible death is haunting the people. This time, elections are to be held on about 76,000 seats in the Panchayat elections and the candidates of the opposition have not been allowed to file nominations for 20,585 seats. However, in 2018, Trinamool Congress candidates won the elections without any contest on about 34 per cent seats. This time 57,000 BJP candidates, 49,000 Left Front and 18,000 Congress candidates are in the fray. Due to this tough competition, there is fear among the common people. The role of the Election Commissioner in the matter of conducting peaceful and fair elections is under question. The Commission had demanded the Central Government to provide 22 companies of Central Force during the elections, that is, a total of 1700 Central Force personnel were demanded for the 23 districts of Bengal. Remind that more than 800 companies of Central Force were deployed in the 2013 Panchayat elections. These elections were conducted in five phases. This time elections are to be held in a single day. The opposition alleges that the Election Commission has surrendered before the state government. Governor K. V. Anand Bose is very angry with the role of the Election Commission. He has visited violence-affected areas during his nomination. The state government has found this matter extremely displeasing. A PIL has been filed in the High Court by the BJP and the Congress regarding the deployment of the Central Force during the Panchayat elections. The Chief Justice's bench had ordered after the hearing that the Central Force should be deployed during elections in seven sensitive districts of the state. Instead of implementing this, the State Election Commission and the State Government filed an SLP in the Supreme Court. The Supreme Court rejected it and sent it back to the High Court. After this, the High Court ordered that the Central Force should be deployed in all the districts of Bengal and their number should be more than the 2013 Panchayat elections. If the order of the Chief Justice is not followed, a contempt case has been filed against the Election Commission. The Election Commissioner has been ordered to reply. Its hearing is to be held on June 28. The Central Government has sent more than 300 companies of the Central Force to West Bengal and 500 companies are still remaining. Advocating on behalf of the government, the Additional Solicitor General, citing the Ministry of Home Affairs of the Central Government, has said that if the Panchayat elections are held on the model of 2013, then it will be convenient for the Central Government to provide the Central Force. Apart from this, elections were held in five phases in 2013. This time there is a plan to hold elections on a single day, so there is a doubt whether the panchayat elections will be held on July 8? What will happen if the High Court orders the Panchayat elections to be held citing the 2013 model? Here, the last question is that the Governor has appointed Rajeev Sinha to the post of Election Commissioner on the recommendation of the State Government. Since then, there has been a tremendous confrontation between the Governor and the Election Commissioner regarding the Panchayat elections. The Governor has refused to accept the joining report of the State Election Commissioner. Because of this, the question has arisen regarding the legality of his continuing in his post. A public interest litigation has also been filed in this regard in the High Court. If his appointment becomes illegal then how can the notification issued by him for the election be legal. In this context, the date of June 28 is very important for the panchayat elections.

Lok Sabha Elections: Before the 'Shimla Agreement', the opposition got the winning formula! There will be only one candidate for 400 seats.

Uttar Pradesh, West Bengal, Delhi and Punjab are important in the path of opposition unity, which has 142 seats. The ball is in the court of Akhilesh Yadav, Mamta Banerjee and Arvind Kejriwal. After the Patna announcement, Shimla agreement is being prepared. It is being said that the opposition has found the winning formula. The opposition will have only one candidate against the BJP in about 400 seats. It can be announced in Shimla meeting on 12th July. Overall, three categories of states are being created. Despite all this, except Rahul Gandhi, no other leader in the opposition is in a position to say with confidence that the opposition will come to power in 2024. There are three questions. One, there is only one candidate against the BJP in 400 seats, so is Modi's defeat possible? Two, is the alliance on paper or has it landed on the ground as well? Three, if BJP remains the single largest party, then how will the opposition be able to form the government? Let's talk first, one to one. Talking in the context of the figures of the last Lok Sabha elections, the strategy of the opposition seems to be very effective, but not decisive. The BJP had won 46 seats with a margin of over four lakh votes. On the other hand, the opposition got more than four lakh votes in 23 seats. In some of these, the opposition parties won against the BJP, in some against the Congress, and in some it was a contest between the opposition versus the opposition. Obviously, the math of 69 such seats in total is not going to change much. The BJP had won 105 seats with a margin of over three lakh. In half of these, it faced the Congress. The total number of such seats was 131. The BJP got 31 per cent votes in 2014 and 37 per cent in 2019 and is projected to get 39 per cent votes in 2024, so the combined opposition can definitely make inroads in these seats, but cannot break the wall of three lakh votes. In such a situation, the eyes of the opposition should be on those seats where the BJP had won the seats by a margin of two lakhs. In 2019, the total number of such seats was 236 and out of this, BJP won 164 seats. Here also an interesting figure is that out of these BJP won 55 seats against Congress. So the story comes to a standstill, on such seats which the BJP won last time with a margin of less than one lakh. The total number of such seats was 77. If the opposition exerts full force, then the BJP can be given a strong beating here. If the opposition takes away 60 of these 77 seats, the BJP is reduced to 242 from 302. These figures also show how important it is for the opposition to be united in Uttar Pradesh. The BJP had won 20 seats in UP last time with a margin of less than one lakh. That is, if Akhilesh, Congress, Jayant Chowdhary unite, then there is a possibility of BJP getting less than 20 seats in UP. According to the figures, this statistics looks interesting. But the BJP is conducting a fresh survey of the MPs being elected twice. Trying to remove anti-incumbency. The second question is of alliance. The opposition says that a strong alliance has been formed in Maharashtra, Tamil Nadu, Bihar and Jharkhand. These states have a total of 142 seats (including Puducherry) where the opposition's strike rate must cross 80 per cent if it is to be seen coming to power. On the other hand, it is being said that the Congress does not need an alliance in Himachal Pradesh, Uttarakhand, Haryana, Rajasthan, Gujarat, Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Karnataka, because there it is not afraid of any other opposition party. (To some extent, there is definitely a fear of AAP in Gujarat). A total of 130 seats come in these states, where the BJP won 122 seats last time. Here Congress has to fight alone. The third category is of states like Uttar Pradesh, West Bengal, Delhi and Punjab, where the total seats are 142. The whole problem is stuck here. Akhilesh Yadav, Mamata Banerjee and Arvind Kejriwal have the ball in their court. In fact, all the sacrifices have to be shown here and if there is no unity, then all the raita has to be spread here. Mr. Majaj did not write just like that: It is very difficult to beautify the world / Your hair is not tangled.

सड़क दुघर्टनाओं में कमी लाने के लिए 1 से 31 जुलाई 2023 तक चलेगा विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन द्वारा वर्तमान मे सड़क दुर्घटनाओ तथा ब्लैक स्पॉटो के सम्बन्ध मे जानकारी दी तथा बैठक में दुर्घटनाओं की संख्या, दुर्घटना के फलस्वरुप मृतकों की संख्या एवं घायलों की संख्या पर विचार विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कार्य योजना बनाकर दुर्घटनाओं की संख्या में हो रही वृद्धि पर अंकुश लगाया जाए एवं दुर्घटनाओं व मृतकों की संख्या में कमी लाई जाए। इसके लिए ब्लैक स्पॉट्स पर विशेष ध्यान दिया जाए। पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वह ब्लैक स्पॉट्स पर अल्पकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के साथ- साथ दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्यवाही संपादित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि एनएचएआई एवं ट्रैफिक पुलिस समन्वय के साथ कार्य करे। बैठक में पुराने रोडवेज

के सामने अतिक्रमण हटाये जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने नगर निगम को अतिक्रमण हटाये जाने संबंधी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम के अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है उक्त स्थल से समय-समय पर आस्थायी/चलायमान अतिक्रमण को हटाया जाता है। शहर के विभिन्न मार्गो पर लगे अनुपयोगी विद्युत पोल को हटाये जाने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग ने बताया कि कांठ रोड पर अनुपयोगी विद्युत पोल हटाये जाने का कार्य चल रहा है तथा शेष कार्य को भी जल्द पूर्ण कर लिया जायेगा। बैठक में पुराना टोल प्लाजा चन्दौसी कट पर एनएचएआई को जिलाधिकारी ने बड़े अक्षरों में लिखा साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने एनएचएआई को निर्देशित किया कि सड़कों पर सुरक्षात्मक संबंधी सभी उपाये करें। जनपद में परिवहन / शिक्षा विभाग द्वारा बनाये गये सड़क सुरक्षा क्लबों के माध्यम से स्कूली छात्रों एवं उनके अभिभावकों के मध्य सड़क जागरुकता कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को स्कूलों में सड़क सुरक्षा क्लबों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी ने अज्ञात वाहनों द्वारा की गयी सड़क दुर्घटना में मृत/घायल व्यक्तियों के आश्रितों को हिट एण्ड रन योजना के अर्न्तगत वर्ष 2022 में 32 मामलें तथा वर्ष 2023 में 23 मामलों का निस्तारण कर धनराशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रवर्तन की कार्यवाही चलती रहें इसको सुनिश्चित किया जाये तथा एनएचएआई को निर्देशित किया कि जीरो प्वाइंट से होटल रीजेंसी तक दुघर्टनाओं के दृष्टिगत डिवाइडर बनायें जायें। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिलाधिकारी ने दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाए जाने हेतु रोड इंजीनियरिंग, प्रवर्तन कार्यवाही, शिक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन की जागरूकता अभियान तथा त्वरित एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराने पर बल दिया। बैठक में ज्वाइंट मजिस्टेऊट सुनील धनवंता, एसपी टैऊफिक, एलडीएम, डी0आई0ओ0एस0 अरुण कुमार दुबे, ए0ई0 पीडब्ल्यूडी अरविन्द कुमार, ए0ई0 सी0डी0-1 पीडब्ल्यूडी कविता सिंह, ई0ई0 प्रमोद गगनिया, ए0ई0 जल निगम रामकिशोर, टैऊफिक इंस्पेक्टर, ए0आर0एम0 यू0पी0एस0आर0टी0सी0, ए0आर0टी0ओ0 आनन्द, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, एनएचएआई, नगर निगम, कपिल रस्तोगी, ट्रान्सपोर्टर सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की जनपद स्तरीय अर्न्तविभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष संचारी रोग नियंत्रण दिनांक 01 जुलाई 2023 से 31 जुलाई 2023 तक तथा घर-घर दस्तक अभियान दिनांक 17 जुलाई से 31 जुलाई 2023 तक प्रस्तावित है। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जनपद एवं ब्लाक स्तरीय विभिन्न विभागों को जिलाधिकारी द्वारा मिलकर कार्य करने एवं विभागों के कार्य एवं उत्तरदायित्वों को निर्धारण कर अभियान को सफल बनाने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मानसून का समय आ रहा है और जल भराव संचारी रोगों का मुख्य कारण है वही पर मच्छर पनपते हैं झाडियों की कटाई करा ली जाये तथा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का बेहतर प्रबन्धन करें। एंटी लार्वा का सही से सदुपयोग करें, पंचायत एवं शहरी स्तर पर एंटी लार्वा का समुचित उपयोग किया जाये,

प्लानिंग इस प्रकार की हो जिससे कि प्रत्येक मोहल्ला कवर हो जाये। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क क्षेत्र में दस्तक अभियान के दौरान जाने वाली टीमें यह देख लें कि जहां जल भराव है वहां एंटी लार्वा का छिड़काव अवश्य कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि गौ आश्रय स्थलों पर भी इस बात का ध्यान रहें कि जल भराव न हो तथा चारे की भी समस्या न हो, इसके लिए पहले से ही सम्पूर्ण तैयारी कर लें। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में एंटी स्नेक वेनम के लिए जो मरीज आये उनको अवश्य इंजेक्शन लगाये जाये। रैबीज को लेकर आने वाली शिकायतों के संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि रैबीज की उपलब्धता बनाये रखें और उसका सदुपयोग किया जाये। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को जनपद में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि कहीं पर जल भराव होता है तो इस अभियान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ नगर विकास विभाग, पंचायतीराज/ ग्राम्य विकास विभाग, पशुपालन विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग, सूचना विभाग एवं उद्यान विभाग द्वारा कार्य किया जायेगा। जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत को निर्देशित किया कि शहरों में साफ-सफाई बेहतर तरीके से सुनिश्चित की जाये तथा कहीं पर भी कूडा इक्टठा न हो तथा नियमित रुप से कूडे का उठान कराते रहें तथा जल भराव भी न हो। सभी कार्यक्रमों को समय से करते रहें जिससे कि शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। बैठक में ज्वाइंट मजिस्टेऊट सुनील धनवंता, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 विश्राम सिंह, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, समस्त उप मुख्य चिकित्साधिकारी, नोडल अधिकारी, एनयूएचएम नोडल अधिकारी नियमित टीकाकरण कार्यक्रम, जिला कार्यक्रम अधिकारी, समस्त चिकित्साधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी, धशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत, एनएचएम मुरादाबाद, अर्बन हेल्थ कोर्डिनेटर, डीएनसी, डब्लयूएचओ, कोरपीसीआई, यूनिसेफ के प्रतिनिधि, डीपीएम, वीसीसीएम, यूएनडीपी व जेएसआई के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

नेशनल कैरियर सर्विस सेंटर (विकलांगों के लिए) द्वारा कैरियर मेले का आयोजन किया

सत पाल सोनी

क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- नेशनल करियर सर्विस सेंटर लुधियाना (विकलांगों के लिए) ने डिस्ट्रिक्ट ब्यूरो ऑफ एम्प्लॉयमेंट एंड बिजनेस (डीबीईई) के सहयोग से स्थानीय गिल रोड सेंटर में एक नौकरी मेले का आयोजन किया, जिसमें 47 विकलांग युवाओं ने भाग लिया। इस संबंध में नेशनल करियर सर्विस सेंटर लुधियाना के सहायक निदेशक आशीष कुल्लू ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि डी.बी.ई.ई. के सहयोग से आयोजित रोजगार मेले में कुल 98 युवाओं ने भाग लिया जिसमें 51 सामान्य और 47 दिव्यांग युवक शामिल थे। उन्होंने आगे बताया कि इस मेले में प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया

जिसमें टेक ऑटो लुधियाना, क्यूओएस कॉर्प, डिस्टिल एजुकेशन आदि शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि इन कंपनियों द्वारा 63 युवाओं की पहचान की गई है, जिनमें 21 विकलांग और 42 सामान्य युवा शामिल हैं। इसके अलावा 2 दिव्यांग युवाओं का भी नौकरी के लिए चयन किया गया है। उल्लेखनीय है कि नेशनल कैरियर सर्विस सेंटर (विकलांगों के लिए),यह विकलांग व्यक्तियों के प्रशिक्षण और रोजगार के लिए 1973 से भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा स्थापित एक प्रतिष्ठित संगठन है। केंद्र विकलांग व्यक्तियों को अपने पैरों पर खड़े होने के लिए सशक्त बनाने के लिए रोजगार पंजीकरण, स्वरोजगार, कौशल विकास और व्यावसायिक मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करता है। अंत में सहायक निदेशक आशीष कुल्लू ने रोजगार मेले में भाग लेने वाले प्रमुख व्यक्तियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मा0 सांसद की अध्यक्षता में जिला विद्युत समिति की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद - मा0 सांसद डा0 एस0टी0 हसन जी की अध्यक्षता में जिला विद्युत समिति की बैठक का आयोजन सर्किट हाउस सभागार में किया गया। बैठक में मुख्य अभियन्ता विद्युत वितरण द्वारा बताया गया कि वर्तमान में केन्द्रीय योजना आर0डी0एस0एस0 (रिवेम) में कराए जा रहे कार्य एवं प्रस्तावित कार्यो की चर्चा की गयी। इस योजना की कुल लागत 225 करोड़ है, जिसमें लगभग 35 करोड़ शहरी क्षेत्र में तथा 191 करोड़ ग्रामीण क्षेत्र में कार्य कराए जाएंगे। प्रस्तावित कार्यो में प्रथम चरण में जर्जर लाईन के तार बदले जाने, नये कृषि पोषकों का निर्माण किया जाना एवं अतिभारित 11 के0वी0 पोषकों का विभक्तिकरण कराया जाना है। योजना में द्वितीय चरण में दो नये 33के0वी0 उप केन्द्रों का निर्माण, बिजली घरों पर स्थापित पॉवर परिवर्तकों की क्षमतवृद्धि जिसमें 8 नग शहरी में व 19 नग ग्रामीण में हैं। नगर निकाय योजना के अर्न्तगत कुल 17 कार्य किए जाने हैं जिनकी लागत 24.15 करोड़ है, जिसमें बिलारी उपकेन्द्र तथा नया मुरादाबाद उपकेन्द्र की क्षमतावृद्धि होनी है तथा शेष 15 कार्यो में जर्जर तारों का बदलना एवं एल0टी0 लाइन के सौन्दर्यकरण इत्यादि कार्य शामिल हैं। बैठक में मा0 सांसद ने मुख्य अभियन्ता विद्युत वितरण एन0के0 मिश्रा को जर्जर लाइन की समस्या के संबंध में प्राथमिकता स्तर पर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि रेस्पांस टाइम को अच्छा करने की कोशिश करें तथा गरीबों की समस्याओं को सही ढंग से अच्छे बर्ताव के साथ निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि विजिलेंस टीम संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। बारे में हम लोगों को भी अवगत कराया जाये तथा बिजली विभाग जनप्रतिनिधिगणों से संवाद बनाकर आपसी तालमेल के साथ कार्य करें। मा0 सांसद ने कहा कि विभिन्न शिकायतों का निस्तारण बिजली विभाग गम्भीरतापूर्वक करें। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये ओवरलोडिंग की समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाये। बैठक में सदस्य विधान परिषद डा0 जयपाल सिंह व्यस्त ने कहा कि बिजली चोरी करने वालों पर दण्डात्मक कार्यवाही की वजाये सुधारात्मक कार्यवाही करने पर विशेष ध्यान दिया जाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बिजली विभाग के अधिकारियों से कहा कि संवाद से समस्याओं का निदान अच्छे से होता है इसलिए सभी अधिकारीगण जनप्रतिनिधियों से निरन्तर संवाद बनाये रखें तथा जनता तक बिजली विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाये। उन्होंने बिजली विभाग को निर्देश दिये कि बिजली आपूर्ति का विशेष ध्यान दें। बैठक में सदस्य विधान परिषद गोपाल अंजान, विधायक ठाकुरद्वारा नवाब जान खां, विधायक कुन्दरकी जिया उर रहमान, विधायक बिलारी मो0 फईम, विधायक कांठ कमाल अख्तर, मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्र, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण नगरीय संजय कुमार गुप्ता, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण ग्रामीण राजेश तोमर सहित विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

तीन माह का सत्र बीता, 68,060 बच्चों के बस्ते में नहीं हैं पूरी किताबें

मुरादाबाद-सब पढ़ें, सब बढ़ें पर सवाल, बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ी, पुस्तकों के वितरण में सुस्ती, 2,32,892 में से सिर्फ 1,64,832 छात्र-छात्राओं को ही मिली हैं निशुल्क सभी किताबें सर्वशिक्षा अभियान के तहत जिले में सब पढ़ें, सब बढ़ें का संदेश कागजी साबित हो रहा है। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं में से 68,060 के पास अभी भी सभी किताबें नहीं हैं। लेकिन

तीन जुलाई से स्कूल खुलेंगे। ऐसे में बच्चों के बस्ते जब किताबों से खाली हैं तो उनकी पढ़ाई का स्तर सुधारने की बात बेमानी है। जिले में बेसिक शिक्षा परिषद के 1408 प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय हैं। सत्र 2023-24 में नामांकन बढ़ाने के लिए अभी भी प्रवेश लिया जा रहा है। लेकिन शिक्षा के लिए सबसे जरूरी किताबें ही सरकारी स्कूल के छात्र-छात्राओं को समय से नहीं मिलीं। अप्रैल से लेकर जून तक 68,060 छात्र छात्राओं के पास पूरी किताबें नहीं हैं। इससे उन्हें पढ़ाई में कठिनाई हो रही है। अभिभावक भी इसको लेकर शिक्षकों के पास पहुंचते हैं, लेकिन अभी विभाग स्तर पर किताबें न मिलने की बात कहकर लौटा दिया जाता है। ऐसे में जब तीन जुलाई को ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूल फिर खुलेंगे तो किताबों से वंचित बच्चों को असुविधा होगी। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बुद्ध प्रिय सिंह का कहना है कि कक्षा 1-3 तक के छात्र छात्राओं की वर्कबुक अभी नहीं आई है। अन्य बच्चों के लिए किताबें आई थीं, उन्हें खंड शिक्षाधिकारी कार्यालयों के माध्यम से वितरित कराया जा चुका है। जैसे ही किताबें आएंगी उन्हें स्कूलों में भेज दिया जाएगा।

निशुल्क यूनीफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर का भी पैसा नहीं मिला

वर्तमान सत्र में सभी छात्र छात्राओं को अब तक निशुल्क यूनीफार्म, जूता-मोजा, स्वेटर के लिए सरकार की ओर से 1100 रुपये नहीं दिए गए हैं। डीबीटी के माध्यम से आधार कार्ड से लिंक अभिभावकों के बैंक खाते में यह धनराशि भेजी जाती है। इससे वह अपने बच्चों के लिए यूनीफार्म खरीदते हैं। लेकिन अभी तक छात्र पुरानी यूनीफार्म में ही स्कूल आ रहे हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सांसद निधि से होगा वर्षों से जर्जर सड़क का निर्माण

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- शहर के लोकमनदास तिराहा से पटियाली गेट चौराहा तक वर्षों से जर्जर पड़ी मार्ग निर्माण सांसद निधि से कराया जाएगा। इस कार्य सहित अन्य दो सड़क के टुकड़ों का निर्माण कराने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। नगर पालिका की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण लोकमनदास तिराहा से पटियाली गेट चौराहा तक वर्षों से जर्जर पड़ी सड़क का निर्माण नहीं हो सका। इसके कारण मार्ग पर गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय वाशिंदों को गर्मी एवं बारिश में सड़क संबंधी अनेकों प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की इस समस्या को देखते हुए

सांसद राजवीर सिंह ने अपनी निधि से मार्ग निर्माण कराने के लिए 16.50 लाख रुपये स्वीकृत किए है। इसके साथ ही मार्ग का सीमेंटेड निर्माण कराने के लिए टेंडर प्रक्रिया भी पूरी की जा चुकी है। कार्यदायी संस्था यूपीसिडको के साथ हुए अनुबंध के अनुसार लोकमनदास तिराहा से पटियाली गेट चौराहा तक मार्ग का निर्माण दो माह के अंदर पूर्ण किया जाना है। इसके अलावा ठंडी सड़क पर शाहरुख किराना स्टोर से राज किराना स्टोर तक सड़क का निर्माण होगा।

इसी प्रकार ठंडी सड़क पर कुशवाह लेडीज लेटर्स से राहुल मिष्ठान भंडार तक सीमेंटेंड सड़क का निर्माण किया जाएगा। इन दोनों सड़कों का निर्माण भी सांसद निधि से स्वीकृत हुआ है। जिनका बजट 31.11 लाख के बजट है।

UP के इन दो जिलों के बीच बिछाई जाएगी नई रेलवे लाइन, खर्च होगें 276 करोड़

निशाकांत शर्मा- क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- एटा-कासगंज के बीच रेल लाइन बिछाने का काम जल्द ही शुरू होने वाला है। बताया जा रहा है कि नई रेलवे लाइन में 276 करोड़ की लागत आएगी। एटा-कासगंज के बीच रेल लाइन विस्तार होगा। इसकी पुष्टि पहली बार पूर्वोत्तर रेलवे मंडल के उच्चाधिकारियों ने की है, जिससे जिले के लोगों में रेल लाइन विस्तार की उम्मीद जागी है। एटा से कासगंज के बीच 29 किमी लंबी रेल लाइन के बन जाने से एटा ही नहीं बल्कि पूर्वोत्तर रेल मंडल से जुड़े सभी क्षेत्र के लोगों के साथ रेलवे को भी बेहद लाभ होगा। बीते दिन शुक्रवार को पूर्वोत्तर रेल मंडल महाप्रबंधक चंद्रवीर रमण एवं इज्जत नगर डीआरएम रेखा यादव ने रेल मंडल के विभिन्न अधिकारियों के साथ कासगंज जंक्सन का निरीक्षण किया। इस दौरान रेल मंडल महाप्रबंधक ने पहली बार एटा-कासगंज रेल लाइन विस्तार होने की बात कहीं। रेल महाप्रबंधक ने बताया कि एटा-कासगंज के बीच नई रेल लाइन विस्तार के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाकर रेल मंत्रालय को भेज दी गई है। उन्होंने बताया कि अब धरातल पर रेल लाइन विस्तार की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने इस रेल लाइन का निर्माण होने से विभिन्न प्रकार के सकारात्मक परिणाम सामने आने की बात कहीं। एटा-कासगंज रेल लाइन विस्तार होने से जनपद का चौमुखी विकास हो जाएगा। वहीं यहां की जनता का सपना पूरा हो जाएगा। हमने सबसे पहले एटा-कासगंज रेल विस्तार आंदोलन की शुरूआत की थी। आज जब सुना है कि रेल लाइन विस्तार के संबंध में डीपीआर बन चुकी है। संघर्ष सफल होने पर हर्ष हो रहा है। लंबी दूरी की ट्रेनें भी रुकेंगी-रेलवे लाइन का विस्तार होने के बाद एटा की रेलवे कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी और कासगंज से कनेक्ट होने के बाद ट्रेनों का संचालन यहां बढ़ जाएगा। लंबी दूरी की ट्रेनें यहां से मिल सकेंगी। एटा के रेलवे स्टेशन को जंक्शन में परिवर्तित किया जा सकता है। रेलवे लाइन का विस्तार होने के बाद कासगंज एटा में व्यापार करने वाले लोगों के साथ-साथ अन्य लोगों को भी व्यापार मे राहत मिलेगी। बीजेपी सांसद राजवीर सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार ने यूपी सरकार को रेल परियोजनाओं के संदर्भ में 17 हजार 507 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है, जिसमें से एटा-कासगंज रेल विस्तार के लिए भी धनराशि दी गई है। इस परियोजना पर शीघ्र काम शुरू होगा। इसके लिए रेल विभाग के अधिकारियों से हम संपर्क में है।

भात लेकर आए युवक की नहर में डूबने से हुई मौत

योगेश मुदगल
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- जिले के मिरहची के समीप कुटैना नहर पर एक युवक जो भात लेकर आया था उसकी नहाते समय नहर में डूबने से मौत हो गई बताया जा रहा है

कि कुटेना नहर पुल पर मिरहची से महावीर उम्र 25 पुत्र महेंद्र श्यामवीर उम्र 28वर्ष पुत्र सूरजपाल निवासी मिरहची व प्रताप उर्फ भोलू उम्र 22 वर्ष पुत्र पीताम्बर निवासी टीन का नगला, आगरा के साथ नहर में नहाने आये थे जिसमें प्रताप उर्फ भोलू डूब गया है।प्रदीप पुत्र संतोष निवासी मिरहची की बारात जानी थी । प्रताप आदि भात लेकर आये थे। स्थानीय लोगों द्वारा देखा गया है कि तीनो नहर के पास बैठे शराब पी रहे थे। थाना मारहरा व मिरहची पुलिस मौके पर मौजूद है और गोताखोरों के द्वारा प्रताप की तलाश की जा रही है

नहर में नहाते समय श्यामवीर व प्रताप नहर में डूब गए

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-भांजे की शादी में शामिल होने आए मामा छोटी नहर में बह गए। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने गोताखोर बुलाकर तलाश कराया। पता नहीं चल सका है। घटना के बाद खुशी का माहौल दुख में बदल गया है। कसबा मिरहची निवासी खेतपाल पुत्र संतोष नागर की 27 जून बारात जानी थी। बारात आंवलखेड़ा जानी थी। बारात में संतोष के भाई नरेश का साला प्रताप उर्फ भोलू (26) पुत्र पीतांबर निवासी नगला टीना जनपद आगरा में रहते थे वह भी भांजे की शादी में शामिल होने के लिए आएं थे।

सोमवार शाम को भात पहनाने के लिये प्रताप मिरहची आए थे। मंगलवार को घर बारात जाने की तैयारी चल रही थी। बताया जा रहा है कि इसी बीच प्रताप भांजे के पड़ोसी श्यामवीर पुत्र सूरजपाल, महावीर पुत्र महेंद्र के साथ

गर्मी के चलते दोपहर तीन बजे हजारा नहर के पास छोटी पक्की नहर में नहाने गए थे। नहर में नहाते समय श्यामवीर व प्रताप नहर में डूब गए। महावीर ने श्यामवीर को नहर से निकाल लिया। प्रताप नहर में बह गया। जानकारी पर पहुंचे घरवालों में कोहराम मच गया। थाना मिरहची, मारहरा पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थानीय गोताखोरों को बुलाया गया। देर शाम तक नहर में डूबे प्रताप का पता नहीं चल सका। मातम के बीच पांच लोग ही ले गए बारात घटना के बाद शादी में रंग में भंग पड़ा गया। देर शाम बारात तो गई। बारात में दूल्हा सहित केवल पांच ही बारात गए है। इससे पहले बारात में जाने को लेकर रिश्तेदार में भी आएं थे। घटना के बाद कोहराम मचा हुआ है। घरवाले लगा रहे नहर में डुबाने का आरोप मौके पर पहुंची रोती हुई महिलाओं ने आरोप लगाएं है। जिन दो पड़ोसियों के साथ प्रताप गया था उन्हीं पर नहर में डुबाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि कुछ दिन पहले दूल्हा के घरवालों का पड़ोसियों से झगड़ा हुआ था। पड़ोसियों ने बारात नहीं ले जाने की धमकी दी थी। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है।

मानवाधिकार आयोग की टीम अलीगंज आई, तत्कालीन थाना प्रभारी, तत्कालीन चौकी प्रभारी सहित नौ लोगों के बयान दर्ज किए

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-कसबा के व्यापारी को पकड़ने एवं अमानवीय तरीके से उनकी पिटाई, लूट करने के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम अलीगंज पहुंच गई। तत्कालीन थाना प्रभारी, तत्कालीन चौकी प्रभारी सहित नौ लोगों के बयान दर्ज किए गए है। मामले से संबंधित दस्तावेज एकत्रित किए है। जिस स्थान से व्यापारी को पकड़ा गया उस घटनास्थल का भी निरीक्षण किया है।नगर के मोहल्ला राधाकिशन निवासी डा. योगेश चन्द्र जैन अनेकांत फार्मा के स्वामी हैं। जैन मुनि के बारे में अभद्र टिप्पणी करने के मामले में मध्य प्रदेश के थाना टीकमगढ पुलिस ने अमानवीय तरीके से 10 नवंबर 2020 पकड़कर ले गई थी और जेल में बंद कर दिया था। डा. योगेश जैन ने पुलिस उत्पीड़न की शिकायत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की थी और बताया था कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बहाने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मध्य प्रदेश पुलिस फैक्ट्री पर आई और वहां से पांच लाख रूपए लूटे थे सामान भी तोड़ दिया था। घरवालों को बिना सूचना दिए गिरफ्तार कर ले गए थे। टीकमगढ पुलिस ने हथकड़ी, हाथ में जंजीर बांधकर बाजार में घुमाया था। भोजन भी नहीं दिया था। वहां की पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी अलीगंज से न दिखाकर अपने ही थानाक्षेत्र से दिखाई थी। मानवाधिकार आयोग के हनन का आरोप लगाकर शिकायत की थी साथ ही थाना अलीगंज में पीड़ित के पुत्र ईशान जैन ने पिता के अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें भी फाइनल रिपोर्ट लगाई गई है। इन्हीं सारे आरोपों की जांच को लेकर को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली से आईपीएस पाटिल के तन सहित तीन सदस्यीय टीम पहुंची और शिकायतकर्ता योगेश जैन के बयान दर्ज किए और गिरफतारी स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला है। कई घंटों तक टीम अलीगंज में रही। घी का दीपक जलाने से कैसे जाएंगा कोरोना, रखी थी बात पीड़ित के अनुसार सोशल मीडिया पर बताया गया था कि घी का दीपक जलाने से कोरोना चला जाएंगा। इसे लेकर उन्होने टिप्पणी की थी और सवाल भी उठाएं थे। इसे लेकर उनके खिलाफ शिकायत की गई थी और जिसमें गिरफ्तारी नहीं है उस धारा में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। तत्कालीन थानाप्रभारी, चौकीइंचार्ज के भी दर्ज किए बयान-अलीगंज। कोतवाली अलीगंज के तत्कालीन, वर्तमान में थानाप्रभारी टप्पल पंकज मिश्रा, तत्कालीन चौकी इंचार्ज संजय सिंह को भी बयान के लिए बुलाया गया। दोनों के बयान दर्ज किए गए। चौकी इंचार्ज वर्तमान में कोतवाली नगर में तैनात है।

जलमग्न हुआ मोहल्ला लुहारी दरबाजा

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-अलीगंज के मोहल्ला लुहारी दरबाजा मुस्लिम आबादी बाला मोहल्ला है।यहाँ के वासिंदे कुरेशी और मेवा फरोश जाति के हैं।वारिश के कारण पूरा मोहल्ला जलमग्न हो गया।सड़क नाले पूरी तरह से भरे पड़े हैं।घर से निकलने में बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है।सबसे महत्त्वपूर्ण बात तो यह है, कि कल बकरीद का त्यौहार है।ऐसे में मोहल्ला वासी किस तरह नमाज अदा करने जायेगे यह बहुत ही गम्भीर समस्या है।मोहल्ला वासियों के कहना है, कि कई बार स्थानीय प्रशासन और पालिकाध्यक्ष को अवगत कराया जा चुका है, फिर भी पानी की निकासी का कोई प्रबंध नहीं हुआ है।

किशोरी के अपहरण व में सात साल की सजा

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म के दोषी को सजा सुनाई गई। दोषी को अर्थदंड से दंडित किया गया है। एडीजीसी योगेन्द्र कुमार, विनोद कुमार गुप्ता के अनुसार एक व्यक्ति ने थाना रिजोर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि 13 जनवरी 2009 को नरेश पुत्र नेक्सू निवासी गंगनपुर जाटवनगर कोतवाली नगर उनकी नाबालिग बेटी को ले गया था। पुलिस ने किशोरी को बरामद किया था और बयानों के आधार पर दुष्कर्म की धारा को बढ़ाया था। मंगलवार को सबूतों के आधार पर अपर जिला जज, त्वरित न्यायालय प्रथम रामबाबू यादव ने नरेश को दोषी माना। उसे सात साल की सजा और 20 हजार के अर्थदंड से दंडित किया है।

मानक से अधिक कई लोगों पर जमीन, दिए गए नोटिस

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- मानक से अधिक जमीन मिलने पर कई लोगों को नोटिस जारी किए गए। इनसे पूछा गया है जो जमीन दर्ज है, वह कैसी है। एक सप्ताह में जवाब भी मांगा गया है। इस कार्रवाई से लोगों में हड़कंप है। इनके पास साढ़े 62 बीघा से अधिक जमीन है। जनपद की तीनों तहसीलों में सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। इसमें ऐसे लोगों को चिह्नित किया गया है जिनके नाम पर जमीन साढ़े 62 बीघा से अधिक है। सरकार के मानक के अनुसार किसी पर भी एक नाम से इससे अधिक जमीन नहीं हो सकती है। अगर किसी के नाम पर जमीन है तो सरकार जब्त कर लेंगी। तहसीलों में की गई जांच में अब तक एक दर्जन से अधिक लोग मिल चुके है। इन सभी को नोटिस जारी किया गया है कि एक सप्ताह में अपनी जमीन का ब्योरा उपलब्ध करा दें। जो सीलिंग के मामले सबसे अधिक मामले तहसील सदर क्षेत्र के है। इन लोगों को जारी किए गए नोटिस एडीएम की ओर से जारी हुए नोटिसों में चंद्रपाल सिंह, रघुराज सिंह, राजकुमारी, प्रेमवती, सियादेवी सहित करीब एक दर्जन नाम शामिल है। इन सभी पर 100 बीघा से अधिक जमीन है। कुछ लोग राजघराने से भी ताल्लुक रखते है। अधिकारी अब नोटिसों के जबाव का इंतजार कर रहे है। सरकार की मंशा के अनुसार सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। अभी कुछ नाम प्रकाश में आए है उन्हें नोटिस भेजे गए है। अभी तहसीलों में दिखवाया जा रहा है। मानक से अधिक जमीन होने पर राज्य सरकार में दर्ज कराई जाती है।- आयुष चौधरी, एडीएम वित्त एवं राजस्व

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

दहेज न देने पर विवाहिता की करंट लगाकर हत्या

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- दहेज न देने पर विवाहिता की करंट लगाकर हत्या कर दी और गला दबाने का भी आरोप है। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है। घटना के बाद ससुरालीजन मौके से भाग गए। शव को देख मायकेवालों में कोहराम मचा हुआ है। कोतवाली अलीगंज के गांव नगला भज्ज निवासी शिवम की शादी दो साल पहले स्वाति (21) पुत्री लालाराम निवासी खतनपुर थाना नवाबगंज जिला फर्रूखाबाद के साथ हुई थी। आरोप है कि ससुरालीजन दहेज में नकदी,
अंगूठी की मांग करते थे। आरोप है कि इसे लेकर पंचायत भी हुई थी। बहन शालू का आरोप है कि मंगलवार को ससुरालीजनों ने मिलकर बहन स्वाति की करंट लगाकर हत्या कर दी और गला भी दबाया है। जानकारी पर वह घरवालों के साथ पहुंची। जानकारी पर एसएचओ प्रेमपाल सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पति, सास-ससुर, देवर के विरुद्ध तहरीर दी गई है।

पत्नी को अस्पताल में छोड़ा लौटकर आया तो नहीं मिली

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-भाई के कपड़े देने के बहाने पति को अस्पताल से भिजवा दिया। लौटकर आया तो पत्नी नहीं मिली। काफी देर तक पति ने पत्नी को तलाश किया। उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद पति ने कोतवाली नगर में तहरीर दी है। कोतवाली नगर पहुंचे थाना सकीट के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि पत्नी व बेटे को साथ लेकर मेडिकल कॉलेज में दवा लेने आए थे। इसी दौरान पत्नी ने पति से कहा कि वह उसके भाई के कपड़े घर पर दे आएं। इतना कहने के बाद वह कपड़े देने चला गया। पति लौटकर मेडिकल कॉलेज पहुंचा। पत्नी और बेटा गायब थे। मेडिकल कॉलेज में पति ने तलाश किया। दोनों का पता नहीं चल सका। रिश्तेदारी में भी तलाश भी किया। पति कोतवाली नगर पहुंचा और मामले में तहरीर दी है।

पंजाब में 1000 नए आंगनवाड़ी केंद्र खोले जाएंगे- डॉ. बलजीत कौर

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- दोराहा- सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य में 1000 नए आंगनवाड़ी केंद्र खोलने के लिए तैयार है, इसके अलावा 6000 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। राजपुरा विधायक नीना मित्तल के साथ कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नए आंगनवाड़ी केंद्र खोलने के अलावा, मौजूदा भवनों का नवीनीकरण भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भर्ती निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभाग के सुचारू कामकाज के लिए कर्मचारियों को स्मार्टफोन देना भी शुरू करेगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए 8.2 करोड़ रुपये का मानदेय भी कुछ दिनों के भीतर जारी किया जाएगा। डॉ. कौर जिला मुख्यालय से 21 किमी दूर दोराहा में एक वृद्धाश्रम के दौरे के बाद समारोह में बोल रही थीं। कैबिनेट मंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार राज्य में बच्चों, महिलाओं और वृद्धों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं, विशेषकर गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के कल्याण और आंगनवाड़ी सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि दौरे का उद्देश्य यहां बुजुर्गों और बच्चों के लिए बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की जांच करना था

ताकि इसे बेहतर सेवाओं के लिए सरकारी केंद्रों में लागू किया जा सके। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में खन्ना की एसपी डॉ. प्रज्ञा जैन, एसडीएम जसलीन कौर भुल्लर, डीएसपी समराला हरसिमरत सिंह और अन्य शामिल थे।

निराश्रित गोवंश को बेहोश कर बध करने वाले छह आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद - निराश्रित गोवंश को बेहोशी का इंजेक्शन देकर वध करने वाले एक महिला सहित छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। प्रभारी निरीक्षक एमपीसिंह के अनुसार थाने के दरोगा महेशसिंह की सुबह नानऊ पुल के निकट हमराह सिपाहियों के साथ गश्त पर थे।तभी मुखविर द्वारा सूचना मिली कि नानऊ ओवरब्रिज के नीचे एक लाल रंग की कार में कुछ संदिग्ध लोग हैं जिनमें एक महिला भी है। सूचना पर पुलिस वहां पहुंच गई।पुलिस ने कार की घेराबंदी कर सभी को दवोच लिया और पकड़कर कोतवाली लेकर आई।पकड़े गए लोगों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि हम लोग निराश्रित गोवंश को इंजेक्शन लगा कर बेहोश कर रस्सी से बांधकर उनको काटते थे और उनके मांस को बोरे में भरकर बेचते थे। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम आरिफ उर्फ बंटी व तोफिक पहलवान उर्फ पप्पू उर्फ राजू पुत्रगण रसीद खां निवासी अबदुल्ला कालेज के पास अमींनिशा थाना सिविल लाइन अलीगढ़ हाल निवासी किराए का मकान धौर्रा माफी थाना क्वार्सी अलीगढ़,फिरोज उर्फ शमशाद पुत्र सल्लू ड्राइवर निवासी खंदारी गढ़ी थाना हाथरस गेट जनपद हाथरस, नहना उर्फ सतेंद्र पुत्र बच्चूसिंह निवासी नगला सद्दा कोतवाली सासनी जनपद हाथरस, विस्मिल्ला पुत्री मीनू पत्नी अवरार निवासी रामपुर शाहपुर थाना चंडौस अलीगढ़ हाल निवासी पुरानी सब्जी मंडी थाना विजयनगर गाजियाबाद, अवरार पुत्र यूनुस निवासी भूड़ चौराहे के पास अकबरपुर कोतवाली देहात बुलंदशहर हाल पता सब्जी मंडी के पास थाना विजयनगर गाजियाबाद बताए हैं। पुलिस ने आरोपियों से एक छुरा एक रस्सा प्लास्टिक के बोरे व इंजेक्शन बरामद किए हैं।पुलिस ने सभी को जेल भेजा है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई महेशसिंह, रोशनलाल, हैडकांस्टेबल विमलेश कुमार, अजय कुमार, संदीप कुमार, व महिला कांस्टेबल अर्चना शर्मा थे।

पत्रकारों का 15 सदस्यीय जत्था अमरनाथ यात्रा पर रवाना

सत्यम शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली - विश्व शान्ति के कल्याण और सद्भावना के उद्देश्य से 15 सदस्यीय पत्रकारों का एक जत्था लगातार सातवीं बार रोडवेज बरेली से रवाना हुआ। जत्था वरिष्ठ पत्रकार पुत्तन सक्सेना एवम निर्भय सक्सेना के नेतृत्व में रवाना हुआ। इस दौरान पत्रकार संघटनो ने सभी पत्रकारों को सम्मानित कर सुखद यात्रा की शुभकामनायें दी। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के जिलाध्यक्ष सहित यू पी जर्नलिस्ट एसोसिएशन उपजा जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया इंडिया , उपजा के जिला अध्यक्ष पवन सक्सेना, बीरेंद्र अटल , अनुराग सक्सेना , सत्यम शर्मा,तकी रज़ा,धर्मेंद्र सिंह बंटी, महेश पटेल, शंकर लाल, सुरेश रोचानी, शमी खान, राजेश सक्सेना, ललित कुमार, विजय सिंह, गुरुवचन अजय राज शर्मा, एस के पांडे ने सभी जाने वाले लोगों को हार, पटका पहनाकर उनकी यात्रा की मंगल कामना की और उनका उत्साहवर्धन किया। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले सदस्यों में सर्वश्री निर्भय सक्सेना, पुत्तन सक्सेना, अशोक शर्मा, अशोक शर्मा लोटा, शुभम ठाकुर, विवेक मिश्रा, उमेश शर्मा, गोविंद किशोर मिश्रा, मुकेश राजपूत, अर्जुन पटेल, कृष्ण प्रजापति, मोनिश कुमार, सक्षम शर्मा, निखिल कुमार, प्रेम पाल आदि

शहर में खस्ताहाल इमारत को लेकर श्री हिंदू तख्त ने निगम कमिश्नर को दी शिकायत

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- श्री हिंदू तख्त के प्रमुख प्रदेश प्रचारक वरुण मेहता ने नगर निगम कमिश्नर व जोनल कमिश्नर के नाम एक लिखित शिकायत देते हुए स्थानीय फिरोजपुर रोड पर खस्ता हाल पड़ी इमारत को तोड़ने की मांग की। वरुण मेहता ने बताया कि महानगर में पिछले समय दौरान कई खस्ताहाल इमारतों के गिर जाने से कई हादसे हो चुके है जबकि इसके लिए जिम्मेवार निगम अधिकारी हर बार अपनी जिम्मेवारी से बच जाते है। उन्होंने कहा की नगर निगम अधिकारियों द्वारा शहर में दशकों पुरानी बनी इमारतों का निरीक्षण करने उपरांत उनकी मौजूदा स्थिति को देखकर पहले प्रॉप्टी मालिक को नोटिस देकर गिराने के लिए चेताया जाता है लेकिन बाद में पता नही निगम अधिकारी किस लिए मोन धारण कर लेते है और बड़े हादसे होने के बाद एक दूसरे पर आरोप लगाते रहते है । ऐसे ही एक मामले में स्थानीय फिरोजपुर रोड पर नगर निगम द्वारा मार्च 2022 में प्रॉपर्टी मालिक को अपनी बिल्डिंग गिराने का नोटिस दिया गया लेकिन अभी तक न तो उक्त मालिक द्वारा न नगर निगम द्वारा बिल्डिंग को तोड़ा गया आगामी सीजन बारिश का आ रहा और बिल्डिंग बेहद खस्ता हाल में है और कभी भी कोई जानमाल का नुकसान हो सकता है । इसलिए श्री हिंदू तख्त द्वारा लोकहित में आवाज बुलंद करते हुए निगम कमिश्नर व जोनल कमिश्नर को 7 दिन में यह बिल्डिंग गिराने सहित नोटिस देने के बावजूद मालिक के साथ मिलीभगत कर आम लोगो की जान दाव पर लगाने वाले लापारवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की व अगर अब भी अधिकारी न जागे तो 4 जुलाई से श्री हिंदू तख्त निगम कमिश्नर के कार्यालय जोन डी के बाहर भूख हड़ताल शुरू करेगा।

जब बूथ मजबूत होगा तो भाजपा भी मजबूत होगी - रवेंद्रपाल सिंह

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद - कस्बा स्थित पंचायत सचिवालय बूथ नंबर 139, 144 पर छर्रा विधायक ठा.रवेंद्रपालसिंह व उनके साथ आये तमाम कार्यकर्ताओं ने एलईडी पर मेरा वूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। इस मौके पर मुख्य अतिथि छर्रा विधायक ठा.रवेंद्रपालसिंह, सिंह ने भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से आव्हान किया और कहा सभी कार्यकर्ता अभी से आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए जुट जाएं। कहा जब वूथ मजबूत होगा तो भाजपा भी मजबूत होगी। इस मौके पर डा.राम प्रकाश तोमर,धर्मवीरसिंह, शिशुपाल सिंह, अवधेश शर्मा,मोहित रायजादा, राजेंद्र सिंह यादव, लायकसिंह यादव, रुपेश यादव प्रधान,ध्रुव यादव प्रधान, अनिल तौमर, मनोजसिंह, मोनूसिंह, किशनचंद राणा, राकेश कुमार, राजवीर सिंह व देवेंद्र उपाध्याय आदि थे।

2 नफर वारंटी गिरफ्तार

शेर सिंह
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली - वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा चलाए जा रहे अपराध व अपराधियों की रोकथाम हेतु अभियान के अंतर्गत श्रीमान पुलिस अधीक्षक नगर महोदय के कुशल पर्यवेक्षण में श्रीमान क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय के कुशल निर्देशन में वह श्रीमान प्रभारी निरीक्षक महोदय के कुशल नेतृत्व में 2 नफर वारंटी 1.नक्शे अली उर्फ डॉक्टर रईस पुत्र जफर अली उम्र 47 वर्ष निवासी कस्बा व थाना ड्ढ3 चैनपुर बरेली 2.आशिद पुत्र अनवर शाह निवासी कस्बा व थाना ड्ढ3 चैनपुर बरेली उम्र 53 वर्ष संबंधित मुकदमा अपराध संख्या 196/18 धारा 406/420 323/504/506 आईपीसी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किए

ग्रीष्म- कालीन, अवकाश में समर कैंप का संचालन करने वाले स्वयंसेवियों को मिले प्रमाण -पत्र , पाकर खिले चेहरे

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा-मुख्य विकास अधिकारी जग-प्रवेश की बड़ी सोच से बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित स्कूलों में चले समर कैम्प का 17जून को समापन हो गया।समर कैंप में लगे वॉलियंटरो को बुधवार को विधिवत ढंग से ब्लाक संसाधन केंद्र बिथरीचैनपुर सभागार में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीओ अतुल यादव,खण्ड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक राजीव लोचन ने किया। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा ग्रीष्म- कालीन अवकाश के प्रथम दिन से जून माह तक निस्वार्थ भाव से प्रथम संस्था की देखरेख में वालिंटियरों ने जिस सहयोग की भावना से समर कैंप चलाया वह बहुत ही सराहनीय है।समाज में शिक्षा की अलख जगाने वाले वॉलियंटरो के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। खण्ड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा इस समर कैंप के माध्यम से समाजिक अलख जगाने वाले सभी भविष्य में उन्नति करेंगे।बाद में सभी स्वयंसेवियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गये। जिन्हें पाकर उनके चेहरे खिल उठे।इस मौके पर लक्ष्मी शर्मा एस0 आर0 जी0 एवं प्रथम संस्था के रत्नेश कुमार, राजकुमार , समीना ,सौरव सहाय, आरिश हुसैन, कृष्ण अवतार ,प्रदीप कुमार गुप्ता ,लक्ष्मण,सुनील कुमार, विकास सिंह, गेंदनलाल ,विपिन कुमार ,परितोष, हरपाल सिंह, इसरार अहमद ,दुर्गेश बाबू, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

उपजिलाधिकारी जमुनहा को प्रार्थना पत्र देकर नाली व रास्ते से अवैध तरिके से किये गये कब्जे को हटवाने व रोके जाने हेतु

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

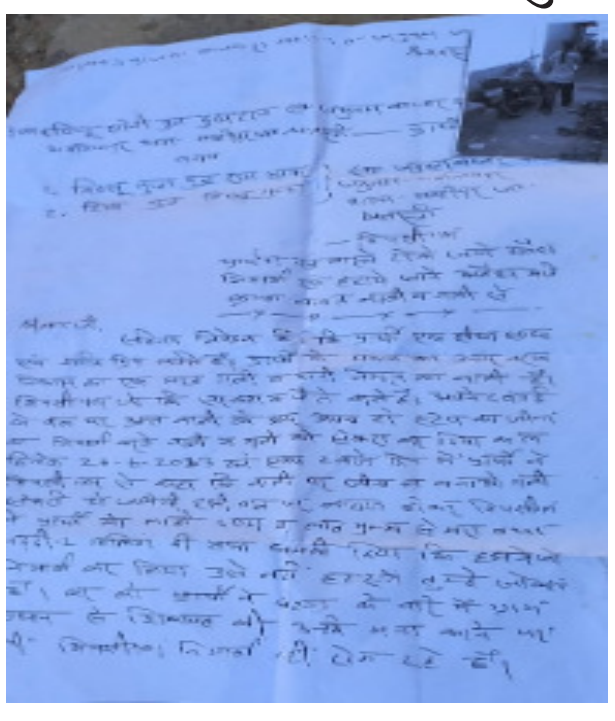

श्रावस्ती - विकास खंड जमुनहा के अंतर्गत जमुनहा बाजार के निवासी संजय उर्फ़ पिंटू सोनी पुत्र दुख:रन सोनी ने उपजिलाधिकारी जमुनहा को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि मेरे मकान के उत्तर कि तरफ गली है। तथा आधे कस्बे कि पानी निकास की नाली है। जो पड़ोस के निवासी विष्णु गुप्ता व शिवा ने उपरोक्त रास्ते व नाली पर अवैध तरिके से कब्जा कर लिया है। जिससे आने जाने मे काफी असुविधा है। इस संबंध मे संजय उर्फ़ पिंटू सोनी द्वारा उपजिलाधिकारी जमुनहा रोहित यादव को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की।

दिव्यांग युवती से भाई के साले ने किया दुष्कर्म का प्रयास

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

हरदुआगंज- थाना क्षेत्र के निकटवर्ती गांव में बहन के घर आए युवक ने उसकी दिव्यांग ननद की इज्जत लूटने का प्रयास किया। युवती द्वारा चीखपुकार मचाने पर युवक भाग निकला, थाने में तहरीर देने के चार दिन बाद तक पुलिस द्वारा सुनवाई ना करने पर एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज हो सका। एसएसपी को दिए प्रार्थनापत्र में युवती ने बताया कि उसका भाई न्यारा रहता है। 23 जून को भाई का साला दलवीर निवासी डोरी नगर थाना गांधी पार्क अलीगढ़ बहन के पास आकर रात को रुका था। वह रात्रि में कमरे में सोई हुई थी, आधी रात दलवीर कमरे में घुस आया और दरवाजा बंद करके उसे दबोचकर जबरन दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। शोर मचाने पर छत पर सो रही मां व भाई के आ जाने पर आरोपित धमकी देता हुआ भाग गया। युवती का आरोप है कि वह 23 जून को थाने में तहरीर लेकर पहुंची जहां पुलिस कार्रवाई के बजाया फैसले का. दबाव बनाने लगी। एसएसपी दफ्तर गुहार लगाने के बाद मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

सांसद अरोड़ा ने ब्रिटेन की संसद का दौरा किया: सदन के कामकाज की सराहना की

क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- लुधियाना से क्आप% सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा, जो वर्तमान में यूनाइटेड किंगडम (यूके) की निजी यात्रा पर हैं, ने वहां संसद का दौरा किया और चल रहे सत्र को देखा। अन्य लोगों के अलावा वीरेंद्र शर्मा ने भी उनका स्वागत किया, जो ईलिंग, साउथहॉल से लेबर सांसद हैं और 19 जुलाई 2007 से लगातार सांसद हैं। वीरेंद्र शर्मा का जन्म भारत में हुआ था और वे धाराप्रवाह पंजाबी, हिंदी और उर्दू बोलते हैं। शर्मा संसद में प्रवेश करने के बाद से और उससे पहले भी, जलियांवाला बाग नरसंहार की उचित मान्यता के लिए अभियान चला रहे हैं। यूके के एक अन्य सांसद नवेंदु मिश्रा और यूके का संसदीय स्टाफ भी उपस्थित था। इसके अलावा, अरोड़ा को अवगत कराया गया कि हाउस ऑफ लॉर्ड्स को अक्सर उच्च सदन या द्वितीय सदन के रूप में जाना जाता है। यह बिलों की जांच करने, सरकारी कार्रवाई पर सवाल उठाने और सार्वजनिक नीति की जांच करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य विभिन्न प्रकार के व्यवसायों से अनुभव और ज्ञान लेकर आते हैं। वर्तमान में, लगभग 800 सदस्य हैं जो हाउस ऑफ लॉर्ड्स के कार्य में भाग लेने के पात्र हैं। उन्हें यह भी बताया गया है कि ब्रिटेन की जनता हाउस ऑफ कॉमन्स में अपने हितों और चिंताओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए 650 संसद सदस्यों (सांसदों) का चुनाव करती है। वेस्टमिंस्टर का महल यूनाइटेड किंगडम की संसद के दोनों सदनों, हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स, दोनों के लिए बैठक स्थल के रूप में कार्य करता है। अनौपचारिक रूप से संसद के सदन के रूप में जाना जाने वाला यह महल इंग्लैंड के मध्य लंदन के वेस्टमिंस्टर शहर में टेम्स नदी के उत्तरी तट पर स्थित है। यूके संसद की अपनी यात्रा के दौरान, अरोड़ा द्वारा यूके के सांसदों को एक भारतीय संसद स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। अरोड़ा ने कहा कि ब्रिटेन की संसद में उनके दौरे का उद्देश्य दो देशों की संसदों और सांसदों के कामकाज के बीच अंतर और समानता को समझना था।

एसडीएम ने सीएचसी का किया औचक निरीक्षण,कई कर्मचारी मिले अनुपस्थित

श्याम जी कश्यप

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - कायमगंज फर्रुखाबाद एसडीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज का औचक निरीक्षण किया जिसमें कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले एसडीएम ने अनुपस्थित मिले कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है आपको बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज का उप जिलाधिकारी यदुवंश कुमार वर्मा ने औचक निरीक्षण किया । औचक निरीक्षण में उन्हें महिला चिकित्सक डॉ मधु अग्रवाल,डॉ अनुराग कुशवाहा तथा नेत्र परीक्षण अधिकारी एवं दो स्वीपर अनुपस्थित मिले ।अनुपस्थित मिले कर्मचारियों से एसडीएम ने स्पष्टीकरण मांगा है ।एसडीएम ने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड लेबर रूम तथा सीएचसी के टॉयलेट देखें गंदगी मिलने पर उन्होंने अधीक्षक डॉ विपिन सिंह से बेहतर साफ सफाई के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि उन्हें सूचना मिली थी कि सीएचसी कायमगंज में बाहर से दवाइयां लिखी जाती हैं । जिस पर उन्होंने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कुछ मरीजों से बातचीत की और कहा कि किसी भी हाल में बाहर से दवाइयां नहीं मंगवाएंगे ।सरकार द्वारा प्रत्येक दवाई सीएचसी को उपलब्ध कराई जाती है इसलिए हर दवा सीएचसी में ही मरीजों को उपलब्ध मिले ।आपको बता दें कि बीते दिनों सीएचसी के महिला वार्ड के लेबर रूम में टार्च की रोशनी में प्रसव का वीडियो वायरल हुआ था ।जिसके बाद डिप्टी सीएम के संज्ञान में मामला आने के बाद सीएमओ ने अधीक्षक डॉक्टर सरवर इकबाल को यहां से हटा दिया था ।फिलहाल में अनुपस्थित मिले कर्मचारियों से एसडीएम ने स्पष्टीकरण मांगा है ।एसडीएम यदुवंश कुमार वर्मा ने कहा कि किसी भी हाल में मरीजों के साथ की गई लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

एफआरपी बढ़ाने से पांच करोड़ किसानों को फायदा होगा -गोशा

सत पाल सोनी

क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मोदी सरकार द्वारा गन्ना किसानों को तोहफे के रूप में लिए गए कई फैसलों में से एक, गन्ने का अधिकतम एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) बढ़ाने से पांच करोड़ किसानों को फायदा होगा। यह जानकारी बीजेपी नेता और प्रवक्ता गुरदीप सिंह गोशा ने प्रेस बयान जारी करते हुए दी। उन्होंने कहा कि गन्ना एफआरपी बढ़ाने का फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में लिया गया।उन्होंने कहा कि गन्ने की एफआरपी में 10 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी से गन्ने की एफआरपी 315 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। गोशा ने कहा कि इससे पांच करोड़ किसानों के साथ-साथ चीनी मिलों में काम करने वाले पांच लाख श्रमिकों को भी फायदा होगा और यह नई एफआरपी साल 2023-24 के अक्टूबर से शुरू होगी। एफआरपी के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि एफआरपी वह न्यूनतम मूल्य है जिस पर चीनी मिलों को किसान से गन्ना खरीदना होता है। गोशा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा अन्नदाता के साथ रहे हैं और उन्होंने हमेशा कृषि और किसानों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने यह भी बताया कि 2014-15 सीजन में गन्ने का एफआरपी 210 रुपये प्रति क्विंटल था और अब 2023-24 सीजन के लिए इसे बढ़ाकर 315 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

बालू माफिया अनंतराम शाक्य राजेश कौशल अनीश शाक्य लाखों की धोखाधड़ी में फंसे

हारुन बख्श

क्यूँ न लिखूँ सच

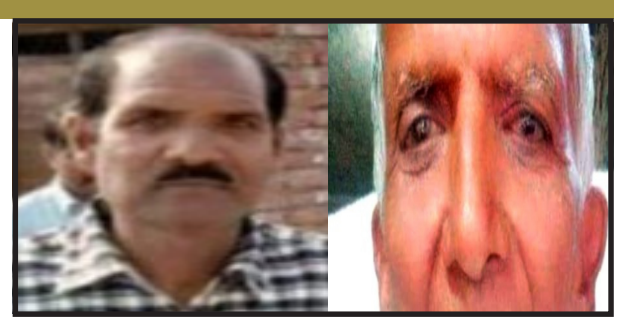

फर्रुखाबाद -आखिरकार ठेके के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले बालू माफिया अनंत राम शाक्य व उनके बेटे नाती आदि लोगों के विरुद्ध कानूनी शिकंजा कस गया है ठगी व षणयंत्र के शिकार कोतवाली फतेहगढ़ के ग्राम धंसुआ निवासी राजेंद्र सिंह कटियार एडवोकेट ने परेशान हो जाने पर अदालत में मुकदमा दायर किया है कार्य हम लोग करेंगे अगले वर्ष तुम करना वर्ष 2023 में जब अभिषेक बालू खनन पट्टा पर कार्य हेतु गया तो पता चला अनंतराम राजेश कौशल व अनीस ने षड्यंत्र के तहत कई लोगों से रुपए लेकर बालू पट्टे में शामिल कर लिया है सभी लोग अपने अपने हिस्से की बाल उठा रहे थे अभिषेक ने अनंतराम राजेश कौशल व अनीश से बात की तो उन सभी लोगों ने कहा कि आप अपने हिस्से की बाल उठाइए अभिषेक ने मात्र ढाई माह बालू खनन का कार्य किया तब पता चला कि अनंतराम ने बालू खनन के पूरे पट्टे का अधिकार मनीष शाक्य पुत्र सुघर सिंह खनन अधिकारी राजीव रंजन उनके सगे बहनोई शील सागर उर्फ फौजी भाजपा नेता व भाजपा नेत्री के पुत्रों के नाम कर दिया है विवाद होने पर उक्त लोगों ने अभिषेक को गंदी गंदी गालियां देकर खनन पट्टे से भगा दिया और कहा कि पूरे पट्टे की बालू उठाने का मेरे पास अनुबंध पत्र है तुम बालू नहीं उठा सकते हो तब अभिषेक ने कहा कि मेरे पास भी अनंतराम द्वारा लिखा गया कुल खनन पट्टे की आराजी में से 23ल्ल का अनुबंध है अधिवक्ता ने जब मामले की जानकारी की तो उन्हें पता चला अनंतराम ने मनोज कुमार पुत्र विजय सिंह को पट्टे पर 15ल्ल की हिस्सेदारी दी थी तथा उनसे 9.25 लाख नकद लिया है इसी दौरान 3 लाख रुपए उधार लिये थे धनराशि को वापस करने को कहा गया तो रुपए वापस नहीं किए अधिवक्ता को पता चला कि उक्त लोगों ने षड्यंत्र रचकर कई लोगों से ठगी की है और पचासों लाख रुपया हड़प लिया है अधिवक्ता ने खनन अधिकारी राजीव रंजन राजेश कौशलेंद्र शील सागर उर्फ फौजी व मनीष से अपना रुपया वापस करने को कहा तो सभी लोगों ने अधिवक्ता व उनके बेटे अभिषेक कटियार को धमकाया अधिवक्ता राजेंद्र सिंह कटियार ने मुकदमा करने से पहले ठगी की घटना की शिकायत मुख्यमंत्री से के पोर्टल पर की थी जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि बालू खनन के कार्य के दौरान अभिषेक के पास अपने हिस्से की किस्त आती थी अभिषेक रुपए ऑनलाइन जमा करता था तथा नगद रुपए भी उक्त लोगों को देता था ताकि बालू खनन का कार्य प्रभावित न हो सके पोकलैंड जेसीबी के कार्य व किस्त के रूप में लगभग 10 लाख रुपए अभिषेक के बालू खनन के ठेके में लग गए अधिवक्ता ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि मनीष राजेश कौशल खनन अधिकारी राजीव रंजन उनके बहनोई शील सागर उर्फ फौजी अनीश उर्फ राजीव शाक्य ने पूरे बालू के पट्टे पर गुंडई के बल पर कब्जा कर रखा है सभी लोगों ने दबंगई के दम पर लगभग 40 लाख रुपए मेरे व 12 लाख 25 हजार रुपए मनोज यादव का हड़प लिया है उक्त लोग आये दिन गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हैं अधिवक्ता ने कहा है कि मैं मध्यम वर्ग का व्यक्ति हूं उक्त लोगों ने एक षड्यंत्र के तहत जालसाजी करके लाखों रुपए हड़प कर मुझे बर्बाद कर दिया है। उन्होंने अनंतराम शाक्य की फर्म कमला ट्रेडर्स एंड सप्लायर के नाम खनन पट्टा को भी निरस्त किए जाने की फरियाद की है मुकदमा कायम हो जाने से बालू माफिया एवं उनके गुर्गों में जबरदस्त हड़कंप मचा है पता चला की ठगी की घटना के मास्टरमाइंड अनीस शाक्य से अनंतराम से संबंध काफी खराब हो गए हैं अनेकों कर्जदार लाखों रुपयों का तगादा कर रहे हैं जिसके कारण कर्जदार भूमिगत हैं एक सिपाही का का भी लाखों रुपया अनंतराम पर बकाया है जिसने रुपयों की वसूली करने के लिए अनंतराम के घर की घेराबंदी की है

गले के छालों ने ली खेतलपुर सौंरिया निवासी नवविवाहिता की जान ,बीती 24 जून को ही हुई थी शादी

श्याम जी कश्यप

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद से कायमगंज में गले के छालों ने खेतलपुर सौरिया निवासी नवविवाहिता की जान ले ली ।बीती 24 जून को ही उसकी शादी हुई थी। नवविवाहिता की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया ।आपको बता दें कि कंपिल थाना क्षेत्र के गांव खेतलपुर सौंरिया निवासी अतुल पाल की शादी बीती 24 जून को जनपद शाहजहांपुर के थाना व कस्बा कलान निवासी शिवानी के साथ हुई थी। 25 जून को विदा होकर शिवानी ससुराल पहुंची। जानकारी देते हुए मृतका के भाई ने बताया कि 26 जून को शिवानी के गले में छालों की शिकायत हुई तो उसे पड़ोस के ही गांव कटिया में प्राइवेट डॉक्टर से दिखाया। आराम न मिलने पर बीती शाम कायमगंज के पटवनगली स्थित एसएसजी हेल्थ केयर सेंटर भर्ती कराया ।जहां बताया गया कि उपचार के दौरान आज सुबह लगभग 4 बजे विवाहिता ने दम तोड़ दिया ।परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक ने सही तरीके से इलाज नहीं किया इसलिए उसकी मौत हो गई। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ कर शव का पंचनामा भरा है

विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने सेशन चोंक से हैबोवाल मुख्य सड़क के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया

सत पाल सोनी

क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- विधानसभा हलका उत्तरी में विकास कार्य लगातार जारी हैं और हलके की नुहार बदलने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। ये शब्द विधायक चौधरी मदनलाल बग्गा ने स्थानीय सेशन चौंक से हैबोवाल चौक तक दांडी स्वामी वाले रोड की मुख्य सड़क के निर्माण कार्य के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। इस मौके पर उनके साथ पंडित राज कुमार शर्मा के अलावा हलके के अन्य लोग भी मौजूद थे ।विधायक मदन लाल बग्गा ने कहा कि ओल्ड कोर्ट हाउस, पवेलियन मॉल तक बनने वाली इस मुख्य सड़क के पुनर्निर्माण पर करीब 2 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि विकास के लिए उनकी टीम से 24 घंटे लिखित या फोन पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने अपने चुनावी वादे को याद करते हुए कहा कि विधायक जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत लोगों की शिकायतों का इंतजार किये बिना हर समस्या को बिना किसी शिकायत के स्वयं संज्ञान में लेकर समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। विधायक चौधरी मदनलाल बग्गा ने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार निवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नशा मुक्ति अभियान के द्वारा निकाली जागरूकता रैली

अरविन्द कुमार यादव

क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती सशस्त्र सीमा बल के कार्यवाहक कमांडेंट संदीप कुमार जेटली द्वितीय कमान अधिकारी के , जन जागरूकता नशा मुक्त दिवस के उपलक्ष्य में वाहिनी की समस्त समवायों/सीमा चौकियों के जवानो के द्वारा नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली का आयोजन किया गया इस दौरान भारत-नेपाल सीमा पर कार्यरत वाहिनी की 06 कम्पनियों ककरदरी, तरुस्मा, सुईया, गुज्जरगौरी, भैसाईनाका एवं सोनपथरी के जवानों ने अपने कार्यक्षेत्र के गांवो में ग्रामीणों के साथ नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता रैली निकाल कर नशा न करने एवं नशीली बस्तुओ की तस्करी न करने के लिए लोंगो को जागरूक किया और ग्रामीणों को बताया गया कि इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे से आजादी का सन्देश देश के हर नागरिको तक पहूँचाना है नशीली वस्तु का सेवन एवं तस्करी दोनों जनहित के लिए हानिकारक है अपने जीवन एवं देश हित की रक्षा के लिए नशीली वस्तु का सेवन न करें और नशीली वस्तुओं को रोकने का संकल्प लें तथा दूसरों को भी नशे का शिकार होने से बचाएं मादक पदार्थों का सेवन शरीर के लिए हानिकारक है

ड्रग्स सहित अन्य नशा करने से कई प्रकार की घातक बीमारी होती हैं इस जागरूकता रैली के दौरान समस्त समवायों/सीमा चौकियों के प्रभारी के साथ अन्य बल कार्मिक एवं भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे

तीन गोवध शातिर अपराधी गिरफ्तार

प्रेमचंद जायसवाल

क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - श्रावस्ती प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह थाना नवीन माडर्न श्रावस्ती जनपद श्रावस्ती मय पुलिस टीम क्षेत्र भ्रमण पर थे कि मुकदमा अपराध गौ हत्या निवारण अधिनियम से संबंधित वांछित/ गो-वध के शातिर अपराधी

1. शमसेर अली पुत्र हकीम निवासी अमारेभरिया थाना नवीन माडर्न पुलिस थाना श्रावस्ती जनपद श्रावस्ती 2. इब्राहिम पुत्र खलील अहमद निवासी खरगौरा गणेश थाना नवीन माडर्न पुलिस थाना श्रावस्ती जनपद श्रावस्ती 3. हासिम अली पुत्र अनवर अली नि0 बरईपुरवा दाखिला कटरा थाना नवीन माडर्न पुलिस थाना श्रावस्ती जनपद श्रावस्ती को मुखबिर की सूचना पर ओझा कुट्टी नहर पुलिया ग्राम अमारेभरिया से गिरफ्तार किया गया, इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए।

गैगेस्टर अभियुक्त पर हुई कुर्की की कार्यवाही

प्रेमचंद जायसवाल

क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -श्रावस्ती अंतर्गत थाना सिरसिया में पंजीकृत मुकदमा यू0पी0 गैंगस्टर एक्ट बनाम मंगरे उर्फ सलामत पुत्र आशिक अली निवासी गुरुवा थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती के अभियोग की विवेचना निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह, थाना प्रभारी कोतवाली भिनगा द्वारा की जा रही है। विवेचना के मध्य संकलित साक्ष्य से पाया गया कि अभियुक्त मंगरे उर्फ सलामत पर गंभीर धाराओं में कुल 02 अभियोग पंजीकृत है अभियुक्त काफी समय पूर्व से ही विभिन्न प्रकार के अपराधों में लिप्त रहा है तथा उससे प्राप्त रुपयों से विभिन्न प्रकार के भौतिक सुख सुविधा के साधन, सम्पत्ति जुटाता रहा है। अभियुक्त एक शातिर किस्म का अभ्यस्त अपराधी है जिसके द्वारा अपराध कारित करके अपराध से अर्जित उक्त अभियुक्त की सम्पत्ति को यू0पी0 गिरोह बन्द अधिनियम के अन्तर्गत जब्त करने के लिए विवेचक द्वारा जिला मजिस्ट्रेट श्रावस्ती को रिपोर्ट प्रेषित की गई थी। जिला मजिस्ट्रेट श्रावस्ती द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त में नामजद अभियुक्त मंगरे उर्फ सलामत पुत्र आशिक अली द्वारा अपराध कारित कर अर्जित किए गए धन से खरीदी गई संपत्ति को कुर्क करने के संबंध में आदेश पारित किया गया था। कार्यवाही करते हुए कुल (मूल्यांकन सम्पत्ति 22000 रुपये) कुर्क की ।

Guru-disciple Yogeshwar and Bajrang now have a verbal duel, the matter of intentionally losing the bout came to the fore

Yogeshwar called the allegations of Bajrang deliberately losing the bout false. Yogeshwar-Bajrang's conversation stopped since 2018. After Vinesh Phogat, London Olympic medalist Yogeshwar Dutt has started a verbal spat with his one-time disciple Bajrang. Bajrang had accused Yogeshwar of deliberately asking him to lose the bout on several occasions. Yogeshwar

has called these allegations false. Yogeshwar-Bajrang talks stopped after 2018- Yogeshwar said that in the 2016 Olympic qualification trial, we both were in 65 weight category, but they did not face each other. Bajrang lost to Amit Dhankar in the semi-finals. He faced Amit in the final. Bajrang and I had a fight in the Pro Wrestling League, in which he won 3-0. He always took Bajrang with him on foreign tours for preparation. Despite this, Bajrang is tarnishing his image by making such allegations against him. According to Yogeshwar, in 2018, Bajrang told him to let me go to play in the Commonwealth Games and he himself should go to the Asian Games. On this he said that he would like to come through trial. After that he got angry and we stopped talking to each other. Yogeshwar said that after 2016, he did not participate in any tournament or camp. He quit wrestling after 2018. Vinesh, Bajrang, Sakshi made the letter public: Vinesh Phogat, Bajrang, Sakshi Malik made public the letter written to the Sports Minister on social media after the uproar over the exemption in the trial. There is no date in the letter, but it has been said to hold the trial after August 10. Vinesh said on social media that we agitating wrestlers had only written a letter to go ahead with the trial because they could not make preparations for the last six months. Realizing the seriousness of the matter, we are sharing the letter. Vinesh wrote that the enemies want to break the unity of the wrestlers, do not let them succeed.

India won a record 202 medals including 76 gold in the Special Olympics, won two gold on the last day as well

India bagged six medals including two gold, three silver and one bronze on the last day on the track. Aanchal Goyal (400m, Women's Level B) and Ravimati Arumugam (400m, Women's Level C) took top honors on the podium. Indian athletes ended their campaign at the 2023 Special Olympics World Games with a record 202 medals. India's inspirational athletes bagged 76 gold, 75 silver and 51 bronze medals in the event that concluded on Sunday, with the runners contributing significantly on the final day.India won six medals including two gold, three silver and one bronze on the last day on the track. Put it in the bag. Aanchal Goyal (400m, Women's Level B) and Ravimati Arumugam (400m, Women's Level C) took top honors on the podium. Saket Kundu, who won a silver medal in Mini Javelin (Level B), also won a bronze in Level B 400m. Dr. Mallika Nadda, President, Special Olympics India, on the performance of the Indian contingent at the Berlin Games said, "Most of our athletes Various forms of social discrimination have been faced, and they have been treated as non-functioning members of society in various sectors. This idea is wrong. His performance in the field of play proves that he is capable of showing strength, speed, concentration and discipline. I hope this will open the eyes of people outside and prove that we need to expand this movement and make it more inclusive. The Indian contingent consisted of 198 athletes apart from 57 coaches who participated in 16 sports.

This time there will be a tinge of excitement in the World Cup, Rohit Sharma gave a big statement on the release of the schedule

Rohit Sharma Statement on ICC World Cup Schedule Indian captain Rohit Sharma held a press conference after the release of the World Cup schedule. He said that this time the spectators will get to see tough matches in the World Cup. Also he said that now the game has become very fast and everyone is playing very fast. We are very much looking forward to play the World Cup. India captain Rohit Sharma is hopeful that the upcoming ICC World Cup in the country is going to be very exciting. T20 has badly affected all formats. This

includes Test cricket B, where batsmen do not shy away from hitting big shots from the start. India will begin their journey in the World Cup on October 8 with a match against five-time champion team Australia. India's first match will be from Australia - India will try to win the third ODI World Cup and second title on home ground. Although India's journey is going to start from the team that tasted defeat in the WTC final, but that format was different. Rohit Sharma's press conference - India will play all their nine league matches at various venues including Kolkata, Mumbai, New Delhi, Lucknow and Bengaluru. Meanwhile, Indian captain Rohit Sharma held a press conference after the announcement of the schedule. Rohit said that this World Cup is going to be very tough. Because cricket has become very fast now. Fewer overs matches have started happening and now the teams are playing much more positively than before. Team India eager for the World Cup - This is great news for cricket fans around the world. Fans will get to see great matches in this World Cup. We are looking forward to prepare well and give our best this October-November. India hosted the World Cup in 2011. This is the first time that India is going to host the World Cup completely alone. The first match of the World Cup will be played in Ahmedabad on 5 October. After Australia, India will play its next match against Afghanistan on October 11 in Delhi.

India will get two chances to prepare for ICC World Cup 2023, practice matches will be played on these dates

Team India Practice Match Schedule WC 2023 ICC has released the schedule of World Cup 2023. In the first match of the tournament, defending champions England will clash with New Zealand. The Indian team will start its campaign against Australia on 8 October. However, before this, Rohit's paltan will also play two practice matches where the team will clash with England. ICC has announced the schedule of World Cup 2023. After 12 years, the Indian team will be seen facing Australia in the first match of the World Cup going to be held on their soil. At the same time, Rohit's platoon from Pakistan will do two-two hands on 15 October. However, before the start of the World Cup, Team India will take stock of its preparations by playing two practice matches. When and against whom will the practice matches take place?- The Indian team will play two practice matches before starting their campaign in the ICC World Cup 2023. Team India will face England in the first practice match. This match between the two teams will be played in Guwahati on 30 September. After this, Rohit's army will be seen taking on the Qualifier 1 team in the second practice match. This match will be played in Thiruvananthapuram on October 3. Australia will be in front in the first match - Team India will start its campaign in the ICC World Cup 2023 against Australia on October 8. This match between the two teams will be played at the M Chidambaram Stadium in Chennai. The record of the Kangaroo team at this ground in Chennai has been excellent. Australia has tasted victory in 5 out of the six matches played in Chidambaram. Pakistan will clash on October 15 - India and Pakistan will clash in the ICC World Cup 2023 this time on October 15. This great match between the two teams will be played at the Narendra Modi Cricket Stadium in Ahmedabad. The India-Pakistan clash in the 50-over World Cup took place in the year 2019, when the Indian team led by Virat Kohli beat Pakistan badly. How is India's record in Ahmedabad? - Indian team's record Narendra from Ahmedabad Modi has been mixed at the cricket stadium. Rohit's paltan has played a total of 18 ODIs at this ground, out of which 10 have tasted victory, while in 8 the team has had to face defeat.

These real life couples have romanced on screen as well, names of many big stars are in the list

In Bollywood, stars often fall in love while working together in films. At the same time, on-screen romance of these actors is seen many times after getting into a relationship. At present, there are many such couples in B-Town who are not only real life couples, but have also been seen courting each other on the big screen. Let us tell you about them. Tamannaah Bhatia- Vijay Verma Tamannaah Bhatia and Vijay Verma are constantly in headlines these days. Recently both have confirmed their relationship. Apart from being real life partners, both have also romanced in reel life. The two

will be next seen sharing the screen space together in Lust Stories 2. The film is going to knock on Netflix on June 29. Riteish Deshmukh-Genelia D'Souza Deshmukh- Riteish Deshmukh and Genelia D'Souza Deshmukh are considered to be one of the perfect couples of Bollywood. There is a very deep bonding between the two. Apart from the real life, this couple has also romanced many times on the screen. In the film Tujhe Meri Kasam and Tere Naal Love Ho Gaya, people liked the pair of both. Deepika Padukone-Ranveer Singh- Deepika Padukone and Ranveer Singh are one of the most talked about couples of B-Town. Often both are seen attending events together. The pairing of this couple is a superhit in both reel and real life. Both of them first worked in Ramlila, which proved to be a super hit at the box office. Even after this, these stars have appeared in many films together. Ranbir Kapoor-Alia Bhatt- Ranbir Kapoor and Alia Bhatt are also included in this list. People like the pair of both. Both the stars were seen romancing on screen in the film Brahmastra. During the shooting of the film, both of them fell in love with each other. Both are married now. They also have a daughter named Raha.

Gippy Grewal finds this quality of Aamir Khan special, the actor of 'Carry on Jatta 3' revealed

Gippy Grewal was recently seen praising Aamir Khan openly. During this, he told that going to Mr. Perfectionist's place with the entire team of 'Carry on Jatta 3' was a very special experience for everyone. Actor Gippy Grewal is in discussion these days about his film 'Carry on Jatta 3'. This film will be released on June 29. Let us tell you that the trailer of this film was launched last month. Actor Aamir Khan also marked his presence at the trailer launch event.

Not only this, after this Aamir Khan called the entire team of the film to his house. Recently, Gippy was asked that what did he find most special after going to Aamir's house? He gave a very beautiful answer to this. This habit of the actor is most special - Gippy Grewal was recently seen praising Aamir Khan openly. During this, he told that going to Mr. Perfectionist's place with the entire team of 'Carry on Jatta 3' was a very special experience for everyone. Gippy told that Aamir Khan is his old friend and always supports his films. When Gippy Grewal was asked what was the most special thing he felt after going to Mr. Perfectionist's house? On this he said that it is a pleasant experience to visit Aamir's house every time. The most important thing is that Aamir Khan always comes out to see him off and that too barefoot. See off personally - Gippy further said that this time there were a lot of people at Aamir's house. Despite this he sent everyone off individually. According to Gippy, whenever he went to meet Aamir at the hotel, let alone the house, he always insisted on coming down to see him off. Let us tell you that apart from Gippy, comedian Kapil Sharma and his wife Ginni also participated in the get-together at Aamir Khan's house. A video of Kapil Sharma also went viral, in which he was seen singing a song at the actor's house. Expressing gratitude to Aamir, let us tell you that on the occasion of the trailer launch of 'Carry on Jatta 3', Aamir Khan suddenly reached there. It was a surprise for Gippy and the entire team. Recently, Gippy has thanked Aamir for this step and also said that this support of Mr. Perfectionist will prove to be helpful in reaching his film to maximum audience.

Sonam Kapoor receives UK PM Rishi Sunak's invitation, the actress will be a part of the ceremony

Sonam Kapoor has been invited by the Prime Minister of United Kingdom - Mr. Rishi Sunak for his reception to celebrate UK-India week 2023. Apart from her beauty, Bollywood actress Sonam Kapoor is often in discussion about her films, but since becoming a mother, she is away from the silver screen these days. Even after this, the actress continues to make headlines among fans for her fashion sense. The actress is currently spending all her quality time in

London with her son Vayu and husband Anand Ahuja. Recently, the actress grabbed all the headlines when she gave a speech at the coronation ceremony of King Charles III. Now once again Sonam has recently received an invitation for the reception of UK Prime Minister Rishi Sunak. Sonam Kapoor gets invitation from the Prime Minister of United Kingdom Sonam Kapoor has been invited by the Prime Minister of United Kingdom - Mr. Rishi Sunak for his reception to celebrate UK-India week 2023. The reception has been hosted by Rishi at his official residence and office at 10 Downing. The festival is being held in London from June 26 to June 30. Sonam will attend the reception on June 28. Actress will attend the ceremony on this day It is being told that the week-long event will provide a platform to throw light on many important topics like politics, business, business, sustainability, inclusion. The objective of the event will be to endeavor to honor and strengthen the long-standing partnership between the two countries. Seeing this achievement of Sonam, her fans have also become very excited. Also, users on social media are also congratulating Sonam for this invitation. She will be seen in this film- Talking about the work front, Sonam will soon be seen in the film 'Blind'. This film is directed by Shome Makhija. The film also stars Purab Kohli, Vinay Pathak and Lillete Dubey in important roles. The first look of Sonam's film is out, which is getting a good response from the fans.

Allahabad High Court issues notice against Manoj Muntashir, seeks reply within a week

Now recently, the makers of the film 'Adipurush' have been reprimanded by the Allahabad High Court. So let's know what is the whole matter. Om Raut's film 'Adipurush' has been embroiled in controversies since its release. In the beginning, the audience is not showing interest in the film according to the publicity of this film. People have raised a lot of questions

on the dialogues of this film and the dressing sense of the stars, VFX, after which the makers have changed the dialogues of the film. Now recently, the makers of the film 'Adipurush' have been reprimanded by the Allahabad High Court. So let's know what is the whole matter. Om Raut's film 'Adipurush' has been embroiled in controversies since its release. In the beginning, the audience is not showing interest in the film according to the publicity of this film. People have raised a lot of questions on the dialogues of this film and the dressing sense of the stars, VFX, after which the makers have changed the dialogues of the film. Now recently, the makers of the film 'Adipurush' have been reprimanded by the Allahabad High Court. So let's know what is the whole matter. Objection raised on the dialogue writing of the film - The court has issued a notice against the writer, taking a strict stand against Manoj. Along with this, a reply has also been sought from Manoj within a week. The court said in its comment, 'The dialogues used in this film are a big issue. Ramayana is an example for the people, Ramayana is worshipable. Even today people leave the house after reading Ramcharitmanas. In such a situation, some things should not have been touched. 'The court asked for a reply in a week'. Not coming.' Further, the court said that it is good that people did not break law and order after watching the film. The makers probably did not understand the seriousness of the subject.